pleased to state the details about total availability of gas, total investment required, landed cost of gas, sources of finance, time fixed for its completion, terms on which the project has come into existence and what manner it is going to benefit the nation pertaining to Oman Pipe line project ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTERY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAP. SATISH SHARMA): Discussions regarding these details and terms of supply of natural gas from Oman have not been completed.

Feasibility reports of O.N.G.C. for development of 'S-1 Sand and South Heera' Projects

1181. SHRI SURESH KALANDI : Will the Minister of PETROLMUM AND NATURAL GAS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Oil and Natural Gas Commission has submitted feasibility reports to Government costing crores of rupees for the development of 'S-1 Sand' 'South Heera' Phase-II project in the Bombay Offshore area;

(b) if so, what are the details of the reports; and

(c) what is Government's reaction in respect thereto?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAP. SATISH SHARMA): (a) to (c) The Government have received ONGC's proposals for the Development S-1 Sand field (Bombay High) and Development of Heera South Phase-II at a total cost of Rs. 542 39 crores and Rs. 452 54 crores, respectively.

Oil Refinery at Bina by Bharat Petroleum Corporation

1182. SHRI SURESH KALMADI : Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state :

(a) whether it is a fact that the Bharat Petroleum Corporation has tied up with the Oman Oil Company to set up a Rs. 5,000 crore oil Refinery at Bina in Madhya Pradesh; and

(b) if so, what are the details of the agreement ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (CAP. SATSIH SHARMA): (a) and (b) In pursuance of a Memorandum of Understanding signed amongst Government of India., Government of Sultanate of Oman, Bharat Petroleum Corporation Ltd. and the Oman Oil Company Ltd. on 13th March, 1993 to set up a 6 MMTPA oil refinery in Madhya Pradesh, BPCL and Oman Oil Company Ltd. have since signed a Joint Venture Agreement for implementation of this project. The refinery will be located at Bina in Madhya Pradesh. The two partners will have equal share holding of 26% in the Joint Venture.

पेट्रोल, डीजल और मिट्टी के तेल की आवश्यकता

1183. **श्री शिवचरण सिंह : क्या पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि**

(क) देश में पैट्रोल, डीजल और मिट्टी के तेल का कुल कितन उत्पादन होता है और पैट्रोल, डीजल और मिट्टी के तेल की कुल कितनी मात्रा का आयात किया जाता है और किस-किस देश से इसका आयात किया जाता है;

(ख) देश में हमारी आवश्यकताओं के अनुरूप पेट्रोल, डीजल और कच्चे तेल का कब तक पर्याप्त उत्पादन होने की संभावना है, अथवा ऐसा संभव नहीं है यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) देश में तेल के कितने भंडार हैं और किन-किन स्थानों पर तेल कुंओं से तेल बाहर निकाला जाता है तथा किन-किन स्थानों पर इस तरह के तेल शोधक कारखाने स्थापित किए गए हैं और इनकी संख्या कितनी है; और

(घ) क्या इस क्षेत्र में देश को आत्म निर्भर बनाने के लिए सरकार के पास कोई ठोस योजना है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

पैट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (कैप्टन सतीश शर्मा) : (क) अप्रैल से दिसम्बर, 1993 के दौरान पैट्रोल, डीजल और मिट्टी के तेल का उत्पादन क्रमशः 2.66 एम एम टी, 13.85 एम एम टी और 4.04 एम एम टी था। चूंकि देश पैट्रोल में आत्म-निर्भर है इसलिए उक्त अवधि के दौरान इसका कोई आयात नहीं किया गया जबकि उपर्युक्त अवधि के दौरान डीजल और मिट्टी का तेल का आयात क्रमशः 5.15 एम एम टी और 2.68 एम एम टी था। डीजल और मिट्टी के तेल का आयात कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन के तेल उत्पादक देशों की राष्ट्रीय तेल कंपनियों के साथ सशर्त निविदाओं के अन्तर्गत किया जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त कंपनियों से मौके पर खरीद भी की जाती है। मौके पर खरीद हमेशा किसी विशिष्ट देश से नहीं की जाती।

(ख) फिलहाल देश पैट्रोल में आत्म निर्भर है। इस समय कार्यान्वियनाधीन विभिन्न रिफाइनरियां और क्षमता विस्तार परियोजनाओं के पूरा होने पर मिट्टी के तेल के उत्पादन में भी आत्मनिर्भरता प्राप्त होने का अनुमान है। परन्तु वर्तमान अनुमानों के अनुसार डीजल का उत्पादन मांग की तुलना में कम बना रहेगा।

(ग) देश के बकाया निकासी योग्य तेल भंडार, आयल इंडिया लि० के लिए 1-1-1993 को स्थिति के अनुसार और तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग के लिए 1-1-1994 को स्थिति के अनुसार 774.12 मि०मी० टन थे तेल का वाणिज्यिक मात्रा में उत्पादन गुजरात, असम, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड राज्यों के भूस्थित क्षेत्रों में तथा देश के पश्चिमी अपतटीय और पूर्वी तटीय भागों से किया जा रहा है फिलहाल प्रचालन कर रही रिफाइनरियां निम्नानुसार हैं :

1. ओई ओ सी–डिगबोई
2. बी पी सी एल–बम्बई
3. एच पी सी एल–बम्बई
4. एच पी सी एल–विजाग
5. आई ओ सी–गुवाहटी
6. आई ओ सी–बरौनी
7. आई ओ सी–कोयाली
8. आई ओ सी–हलदिया
9. आई ओ सी–मथुरा
10. सी आर एल–कोचीन
11. एम आर एल–मद्रास
12. बी आर पी एल–असम
13. एम आर एल–नारीमनम

(घ) अधिकतम मात्रा में उत्पादन करने के लिए ओ एन जी सी द्वारा अल्पावधिक और मध्यावधिक उपाए शुरू किए गए हैं। इसके अलावा अनेक नई तेल क्षेत्र विकास परियोजनाएं भी स्वीकृत की गई हैं। देश में तेल अन्वेषण के लिए और अन्वेषित क्षेत्रों के विकास के लिए सरकार ने निजी भारतीय और विदेशी कम्पनियों को भी आमंत्रित किया है।

इंडियन ऑयल कारपोरेशन द्वारा देश के पूर्वी भाग में तेल शोधक कारखाने की स्थापना किया जाना

1184. श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इंडियन आयल कारपोरेशन द्वारा देश के पूर्वी भाग में 6 मिलीयन टन क्षमता वाले एक तेल शोधक कारखाने की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव है;

(ख) क्या उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस तेल शोधक कारखाने की स्थापना हेतु स्थान के लिए इलाहाबाद का प्रस्ताव किया गया है; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में वास्तविक स्थिति क्या है ?